आजीविका वर्धन व्यवसाय योजना

बुनाई व हथकरघा

अट्ठारह नाग स्वंय सहायता समूह

वी. एफ. डी. एस. बिलिंग

एस.एच.जी. नाम	अट्ठारह नाग
वी.एफ.डी.एस.नाम	बिलिंग
एफ.टी.यू./ रेंज	केलोंग
डी.एम.यू. /मंडल	लाहौल
एफ.सी.सी.यू. / सर्किल	कुल्लू

हिमाचल प्रदेश वन परितंत्र प्रबंधन एवं आजीविका सुधारपरियोजना

(जाईका वित्तपोषित)

अनुक्रमणिका

क्र0सं0	विवरण	पृष्ठ संख्या
1	कार्यकारिणी सारांश	1-2
2	परिचय	3
3	स्वयं सहायता समूह की सूची	4
4	समूह का विवरण	5
5	ग्राम की भौगोलिक स्थिति	6-7
6	आय सृजन गतिविधि से सम्बंधित उत्पाद का विवरण	8
7	उत्पादन हेतु नियोजन	9
8	बिक्री का विवरण	9
9	समूह के मध्यप्रबंधन का विवरण	10
10	शक्ति, दुर्बलता अवसर जोखिम का विशलेषण	10
11	संभावित जोखिम व उनको कम करने के उपाय	11
12	उद्यम हेतु अनुमानित लागत	12-13
13	उद्यम लागत – लाभ विश्लेषण	14
14	समूह की वित्तीय आवश्यकता	14
15	सम विच्छेदन बिंदु की गणना (ब्रेक इविन प्वाइंट)	14
16	समूह का सहमती पत्र	15
17	समान रूचि समूह के प्रत्येक सदस्य के फोटोग्राफ	16

1.परिचय

हिमाचल प्रदेश के पश्चिम हिमालय क्षेत्र में स्थित पहाड़ी राज्य है। जो अपनी प्राकृतिक सुंदरता और समृद्धि संस्कृति के लिए प्रसिद्ध है। हिमाचल प्रदेश की जलवायु बहुत उपयुक्त है तथा अनेक छोटी-बड़ी नदियां व घाटियां प्रदेश की सुंदरता को बढ़ाती है। प्रदेश की कुल आबादी 70लाख है। इसका भौगोलिक क्षेत्र 55673 वर्ग किलोमीटर है जो कि शिवालिक पहाड़ियों के ऊपरी हिमालय के शीत मरुस्थल क्षेत्र तक फैला हुआ है।यहां कृषि व बागवानी मुख्य व्यवसाय है। हिमाचल प्रदेश के 12 जिलों में लाहौल जिला पर्यटन कृषि व जड़ी-बूटी के लिए प्रसिद्ध है।.

गांव , बिलिंग, डा0 केलोंग,तहसील केलोंग, जिला लाहौल स्पीति ,हिमाचल प्रदेश में स्थित है। लाहौल जिले की घाटियों को भौतिक संरचना के आधार पर तरह-तरह के नाम दिए गए हैं| यांगला लाहौल मुख्यालय से लगभग 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।यह जिला लाहौल स्पिति का दुर्गम जन जातीय क्षेत्र है |

गांव बिलिंग मे लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि व बागवानी है जीवन निर्वाह को अच्छा करने के लिए लोग नकदी फसल व बागवानी का कार्य करके अपनी आजीविका चलाते हैं। ग्रामीण लोग अपनी आजीविका और सामाजिक–आर्थिक विकास के लिए सीधे तौर पर वन संसाधनों पर निर्भर हैं। इससे उत्पादन कम और आय भी कम होती है। आजीविका सुधार परियोजना जाईका (JICA) के सहयोग से चलाई जा रही है। जिसमे लाहौल जिला भी शामिल है |

हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका सुधार परियोजना जाईका (JICA) प्रारंभ होने पर ग्रामवन विकास समिति बिलिंग की सूक्षम योजना बनाई गयी है | परियोजना के माध्यम से यांगला में स्वयं सहायता समूहों का गठन, "अठहरनाग स्वयं सहायता समूह के रूप में किया गया।

इसके बाद "अट्ठारह नाग स्वयं सहायता समूह" ने बुनाई व हथकरघा का कार्य करने का निर्णय लिया। समूह के सदस्य समाज के एक अनुसूचित जन जाति से ताल्लुक रखते हैं । अपनी आर्थिक स्थितियों को बढ़ाने के लिए, उन्होंने बुनाई और हथकरघे का काम करने का फैसला किया है | "स्वयं सहायता समूह" समूह मे केवल महिलाएं शामिल है । इस समूह में 11 सदस्य शामिल है |

स्वयं सहायता समूह की सूची

क्र.	लाभार्थी का नाम	पद	आयु	लिंग	योग्यता	श्रेणी	सम्पर्क
1	सविता	प्रधान	36	स्त्री	+2	अनुसूचित जन जाति	9418361761
2	सिचेन किन्जोम	सदस्य	29	स्त्री	+2	अनुसूचित जन जाति	8219159659
3	आन्गमो	सदस्य	55	स्त्री	अशिक्षीत	अनुसूचित जन जाति	8988314243
4	छिमे	सदस्य	47	स्त्री	10वीं	अनुसूचित जन जाति	8988412512
5	देचेन पालमो	सदस्य	47	स्त्री	10वीं	अनुसूचित जन जाति	9418357021
6	पालजोम	सदस्य	65	स्त्री	अशिक्षीत	अनुसूचित जन जाति	9459887158
7	रतना	सदस्य	38	स्त्री	+2	अनुसूचित जन जाति	7876427021
8	सोनम छोमो	सदस्य	38	स्त्री	बी. ए.	अनुसूचित जन जाति	8219278261
9	दावा डोलमा	सदस्य	33	स्त्री	10वीं	अनुसूचित जन जाति	8219858376
10	छिमे डोलमा	सदस्य	39	स्त्री	+2	अनुसूचित जन जाति	90105042946
11	हिशे डोलमा	सदस्य	32	स्त्री	+2	अनुसूचित जन जाति	7876808120

3.स्वयं सहायता समूह विवरण

1	समूह का नाम	अट्ठारह नाग स्वयं सहायता समूह
2	ग्राम वन विकास समिति	बिलिंग
3	वन परिक्षेत्र / क्षेत्रीय तकनीकी इकाई	केलोंग
4	वनमंडल/ मंडलीय प्रबंधन इकाई	लाहौल
5	गांव	बिलिंग
6	विकासखंड	केलोंग
7	जिला	लाहौल- स्पीति
8	समान सूची समूह में कुल सदस्यों की संख्या	11
9	समूह के गठन की तिथि	
10	बैंक खाता संख्या	50069245688
11	बैंक का नाम और शाखा जहां समूह का खाता संचालित है	के .सी. सी. बैंक केलोंग
12	स्वयं सहायता समूह की मासिक बचत	100
13	कुल बचत	
14	सदस्यों को आपस में दिया गया ऋण	0
15	नगदी जमा करने की सीमा	
16	चुकौती की स्थिति	6 महीने

4.ग्राम की भौगोलिक स्थिति

1	जिला मुख्यालय से दूरी	5 किलोमीटर (लगभग)
2	स्थानीय बाजार का नाम और दूरी	केलोंग ,5 किलोमीटर लगभग
3	प्रमुख बाजार का नाम और दूरी	केलोंग ,5 किलोमीटर
4	प्रमुख शहरों से दूरी	कुल्लू 110 किलोमीटर, , मनाली 65 किलोमीटर
5	मुख्य शहरों के नाम जहां उत्पाद का विक्रय/ विपणन किया जाएगा	उदयपुर, कुल्लू, मनाली

(1) व्यवसाय योजना की आवश्यता क्यों ?

ग्राम वन विकास समिति बिलिंग में महिलायों का समूह गठित किया | जिसमे समूह की सभी महिलाएं बुनाई व हथकरघे का कार्य करके अपनी आजीविका को बढाना चाहती है इसीलिए महिलायों ने समूह के माध्यम से JICA परियोजना से बुनाई की मशीनों और हथकरघा की खड्डी प्रदान करने तथा उचित प्रशिक्षण की मांग की है |

(2) व्यवसाय योजना के उदेश्य :

समूह की सभी सदस्यों की क्षमता का निर्माण करना |
समूह के लिए निरंतर आय के साधन उपलब्ध कराना |
उत्पाद को उचित बाज़ार से जोड़ना |
सभी सदस्यों को समूह में काम करने के लिए प्रेरित करना |
बुनाई व हथकरघा व्यवस्या की नवीनतम एवं आधुनिक तकनीकों को बढावा देना |
आजीविका की बढोतरी |

(3)व्यवसाय योजना में निम्न कार्य शामिल हैं:

बुनाई - कोटी ,स्वेटर ,बच्चों के सेट ,टोपी ,जुराबे) इत्यादि शामिल है |
हथकरघा - गलीचे बनाने का कार्य शमिल है |

(4) <u>सामुदायिक गतिशीलता :</u>

इसके अंतर्गत ग्रामीणों में जागरूकता एवं सामुदायिक गतिशीलन के उपरान्त आजीविका वर्धन के विकल्प का चयन तथा उसके लिए लाभार्थीयों की छंटनी की गयी है ।

(5)<u>समूह का निर्माण</u>

स्वयं सहायता समूह के सदस्यों को एकत्रित कर समूह का गठन किया गया है तथा समूह का अध्यक्ष ,सचिव व् कोषाध्यक्ष का सर्वसहमति से चुनाव किया गया है | समूह की सदस्यों की सहमती से समूह के लिए नियम एवं शर्ते निर्धारित करके उन्हें लागू करने का प्रावधान किया गया है|

(6)क्षमता का निर्माण:

लाभार्थियों की क्षमता निर्माण हेतु उनका उचित प्रशिक्षण करवाया जाना आवश्यक है।

(7) मशीन व खड्डी इत्यादि का वितरण:

समूह के सभी सदस्यों को अच्छी किस्म की मशीने और खड्डी उपलब्ध करवाई जाए ताकि अच्छे ढंग से कार्य कर सके।

(8)बाज़ार से जोड़ना :

अपने उत्पाद को बेचने के लिए समूह किसी सरकारी व् निजि सोसाइटी से उचित शर्तों के साथ संबध स्थापित करने लिए तैयार है। विक्रय के लिए लोकल बाजारों के दुकानदारों से जोड़ कर ,मेलों में प्रदर्शनी लगाकर और नेचर अवेयरनेस पार्क में दुकान लगाकर आय कमाने हेतु जोड़ा जाएगा। आधिक उत्पादन होने पर कुल्लू और मनाली बाज़ार के क्षेत्र में दुकानदारों से जुड़ कर कार्य करेगी।

(9) वितीय संस्थानों एवं संबधित विभागों से जोड़ना :

व्यवसाय को आगे बढाने के लिए समूह को वितीय संस्थानों से जोड़ने का पर्यास किया जाएगा तथा उन्हें विभिन्न बैंकों द्वारा दी जा रही ऋण सुविधाओं से अवगत करवाया जाएगा तथा परियोजना द्वारा बैंकों से जोड़ा जाएगा।

(10) बाज़ार की जानकारी :

उदेयपुर, केलोंग और मनाली बाज़ार के क्षेत्र में दुकानदारों के साथ जुड़ कर कार्य करेगी।

(11) अपेक्षित सहायता एवं संसाधन :

वित्तीय प्रबंधन का 75 % परियोजना द्वारा सहायता दी जाएग |शेष ,25 % सदस्यों द्वारा वहन किया जाएगा।

(12) अनुमानित लाभ:

महिलायों के लिए घरेलू रोज़गार उपलब्ध होगा।समूह के सभी सदस्यों के लिए आजीविका वर्धन का दीर्घ कालीन एवं निरंतर साधन उपलब्ध होगा।

समूह की महिलाएं इस कार्य को खाली एवं अतिरिक्त समय में कर सकती है |

5. आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का वितरण

1	उत्पाद का नाम	गलीचे ,कोटी, स्वेटर, जुराबे बनाने का कार्य
2	उत्पाद की पहचान की पद्धति	कुछ सदस्य बुनाई का कार्य पहले से ही करते हैं।
3	स्वयं सहायता समूह/समान सूची समूह/ सदस्यों की सामूहिक सहमति	हां।

6.उत्पादन की प्रक्रियाओं का विवरण

सर्वप्रथम स्वयं सहायता समूह के सदस्यों को परियोजना द्वारा गलीचे,कोटी,स्वेटर आदि का प्रशिक्षण दिया जाएगा।प्रशिक्षण के उपरांत समूह के सदस्य द्वारा उत्पाद तैयार करने में निमन प्रक्रिया की जाएगी:-

गलीचे ,कोटी, स्वेटर, जुराबे तैयार करने की मशीनें लगवाऐंगे। इससे समय और उत्पादों की मजदूरी दर का खर्चा कम होगा।

समूह में 7 सदस्य बुनाई का कार्य करेंगे।
समूह में 4 सदस्य गलीचे बनाने का कार्य करेंगे।
समूह में सभी सदस्य विपणन करेंगे और कच्चा माल भी लाएंगे।

समूह के सदस्य प्रतिदिन 2 से 3 घंटा काम करेंगे।

7.उत्पादन हेतु नियोजन

प्रति माह कार्य दिवस	:	30 दिवस
प्रति माह काम करने वाले व्यक्ति	:	11 व्यक्ति
कच्चे माल का स्रोत	:	केलोंग,कुल्लू
अन्य संसाधनों का स्रोत	:	केलोंग,कुल्लू

1	**उत्पादन चक्र (दिनों में) 30 दिन प्रतिदिन 3–4 घंटे कार्य करेगें**	120 स्वेटर 180 जुराबे 8 गलीचे
2	**प्रति चक्र कार्यकताओं की आवश्यकता (संख्या)**	07 सदस्य बुनाई के लिए 04 सदस्य गलीचे की बुनाई के लिए **कुल 11 सदस्य**
3	**कच्चे माल का स्त्रोत**	केलोंग, कुल्लू
4	**अन्य संसाधनों का स्त्रोत**	शमशी, उदयपुर

नोट: स्वयं सहायता समूह के प्रशिक्षण का खर्च परियोजना द्वारा वहन किया जाता है |

8.बिक्री का विवरण

1	संभावित बाज़ार स्थल	केलोंग, उदयपुर, मनाली ।
2	इकाई से दूरी	केलोंग 5 किलोमीटर ,उदयपुर 54 किलोमीटर और मनाली 70 किलोमीटर
3	बाजार में उत्पाद की मांग	गलीचे ,स्वेटर ,जुराबे
4	बाजार की पहचान की प्रक्रिया	केलोंग,मनाली ,उदयपुर
5	उत्पाद के संभावित खरीदार	संभावित बाजार खरीदार, दुकानें, स्थानीय निवासी तथा पर्यटक
6	क्षेत्र में संभावित उपभोक्ता	सभी स्थानीय नागरिक एवं पर्यटक
7	उत्पाद का विपणन तंत्र।	सीधा सम्पर्क दुकानदारों से गलीचे और गाँव की महिलाओ और पुरषों के कोटी, स्वेटर, जुराबे इत्यादि की बुनाई
8	उत्पाद की विपणन रणनीति।	1. गलीचे व कोटी, स्वेटर, जुराबे इत्यादि की बुनाई मांग के अनुसार घटाएंगे या बढायेंगे| 2. समूह कार्य की निपुणता के आधार पर सदस्यों का चयन करेगा |

9. समूह सदस्यों के मध्यप्रबंधन का विवरण-

प्रबंधन के लिए नियम बनाए जाएंगे |
समूह के सदस्य आपसी सहमति से कार्यों का बंटवारा करेंगे |
बंटवाराकार्य की कुशलता एवं क्षमता के आधार पर किया जाएगा
लाभ का बंटवारा भी कार्य की गुणवत्ता, कुशलता तथा मेहनत के आधार पर किया जाएगा |
प्रधान व सचिव प्रबंधन का मूल्यांकन एवं अवलोकन समय-समय पर करते रहेंगे |

10.शक्ति ,दुर्बलता अवसर जोखिम का विश्लेष्ण-

शक्ति

महिलाओं में कार्य करने की लगन है।
पहले से ही कुछ सदस्य बुनाई का काम करते हैं।
समूह में अनुभवी सदस्य भी है।

दुर्बलता

महिलाएं कृषि व पशुपालन के कार्य भी करती है।
कार्य के लिए 2 से 3 घंटे का समय ही निकाल पाना।
समूह में कर रहे हो पहली बार कर रहे हैं।

अवसर

हिमाचल प्रदेश वन परितंत्र प्रबंधन परियोजना से सहयोग व निधि मिलेगी।
प्रशिक्षण से कुशलता व क्षमता में बढ़ोतरी होगी।
उत्पादकों की लोकल व शहरों में मांग है।
कुल्ल, मनाली, उदयपुर, त्रिलोकीनाथ, चंद्रताल पर्यटक स्थल है।
अच्छे उत्पाद तैयार ना करना।

चुनौती

बाजार की स्थिति (डिमांड) को ना समझना।
अन्य उत्पाद केंद्रों से प्रतिस्पर्धा।
उपभोक्ताओं से तालमेल की कमी।
अन्य (कृषि बागवानी व पशुपालन) कार्यों में व्यवस्था।

11. संभावित चुनौतियों तथा उनको कम करने के उपायों का विवरण

क्र0	जोखिमों/चुनौतियों का विवरण	जोखिम कम करने के उपाय
1.	बाजार की स्थिति(डिमांड) को ना समझना।	समय-समय पर बाजार की मांग के अनुसार चलना।
2.	अच्छे उत्पाद तैयार ना करना।	उपभोक्ताओं के मनपसंद उत्पाद तैयार करना।
3.	अन्य उत्पाद केंद्रों से प्रतिस्पर्धा।	अन्य उत्पाद केंद्रों से बेहतर उत्पाद बनाना व शुरू में कम लाभ कमाना।
4.	उपभोक्ताओं से तालमेल की कमी।	उपभोक्ताओं से हमेशा संपर्क में रहना।
5.	कृषि, बागवानी व पशुपालन कार्य में ज्यादा व्यवस्था।	कृषि, बागवानी व पशुपालन और घर के अन्य कार्य में साथ साथ बुनाई में ध्यान देना।
6.	समूह में बंटवारा	समूह मैं बंटवारा कुशलता व क्षमता के आधार पर करना। पारदर्शिता से कार्य करना।
7.	उत्पाद की गुणवत्ता घटने से बिक्री कम हो सकती है।	गुणवत्ता बनाए रखने के लिए समूह को उच्च मापदंड रखने होंगे।

12. उद्यम हेतु अनुमानित लागत

1) पूंजीगत व्यय

क्र.	गतिविधि	मात्रा	मुल्य	कुल व्यय	परियोजना अंश 75%	लाभार्थी अंश 25%
1	बुनाई की मशीन	2	**6500**	**13000**	9750	3250
2	गलीचे की खड्डी	4	**8100**	**32400**	24300	8100
	योग	6		**45400**	**34050**	**11350**

(2) आवर्ती व्यय

क्र. स.	विवरण	इकाई	मात्रा	दर	धन राशि
गलीचे					
1	कच्चा माल धागा	किलोग्राम	70	350	24500
2	सुतर धागा	किलोग्राम	20	190	3800
3	मजदूरी	दिन	20	200	4000
4	अन्य खर्चा पैकजिग, स्टीकर, बिजली, पानी औसत परिवहन व कमरा किराया खर्चा इत्यादि			L/S	1000
	कुल				**33300/-**
स्वेटर					
1	कच्चा माल धागा	किलोग्राम	40	700	28000
2	कच्चा माल बटन	न०	0	0	0
3	मजदूरी	दिन	20	200	4000
4	अन्य खर्चा पैकजिग, स्टीकर, बिजली, पानी औसत परिवहन व कमरा किराया खर्चा इत्यादि			L/S	900
	कुल				**32900/-**
जुराब					
1	कच्चा माल चेल्सी धागा	किलोग्राम	30	700	21000
2	कच्चा माल नायलॉन धागा	किलोग्राम	10	300	3000
3	कच्चा माल बटन	न०	0	0	0
4	मजदूरी	दिन	20	200	4000
5	अन्य खर्चा पैकजिग, स्टीकर, बिजली, पानी औसत परिवहन व कमरा किराया खर्चा इत्यादि			L/S	650
	कुल				**28650/-**
	योग				**94850/-**

(3) उत्पादन की लागत

क0स0	विवरण	धनराशि (रू0)
1	कुल आवर्ती लागत	45400/-
2	पूंजीगत व्यय पर 10% वार्षिक मूल्य ह्रास	378/-
	योग	**45022/-**

(4) विक्रय मूल्य की गणना

क0स0	विवरण	इकाई	मात्रा	दर	धन राशि
1	**उत्पादन की लागत**				
	गलीचे	नंबर	8	3000	24000
	स्वेटर	नंबर	120	600	72000
	जुराबे	नंबर	180	100	18000
	कुल लागत		308 नग		114000/-
2	**उत्पादन की अनुमानित विक्रय**				
	गलीचे		8	7000	56000
	स्वेटर		120	1000	12000
	जुराबे		180	200	36000
	योग		308 नग		**104000/-**
3	**निर्धारित लाभ (प्रतिशत में)**				
	गलीचे	100%	8	4000	32000
	स्वेटर	66%	120	400	10800
	जुराबे	100%	180	100	18000
	योग		308 नग		**60800/-**

13. उद्यम लागत – लाभ विश्लेषण (एक चक्र के लिए) -

मद	धनराशि (रू)
पूंजीगत व्यय पर 10% वार्षिक मूल्य ह्रास (अ)	378/-
आवर्ती व्यय	94850/-
योग	**95228/-**
कुल उत्पादन (नं० 308 में)	प्रतिमाह / 308 न0
उत्पादन की विक्री मूल्य प्रतिमाह	**104000/-**
उत्पादन की बुनाई से आय (308नं०)	**60800/-**
कुल लाभ = बिक्री मूल्य – (पूंजीगत मूल्य ह्रास + आवर्ती मूल्य) = 104000 - (378 + 94850)	8772/-
उत्पाद की बुनाई से सकल लाभ = कुल लाभ +मजदूरी +कमरा किराया = 8772 + 16000+ 1000	25772/-

14. धन की आवश्यकता

क्रमांक	विवरण	राशि (रुपये में)
1	परियोजना द्वारा पूंजीगत व्यय का 75% अनुदान	34050
2.	लाभार्थी अंश (25% पूंजीगत व्यय)	11350
3.	अन्य व्यय	10000
	योग	**55400/-**

15. सम विच्छेदन बिन्दू (ब्रेक इविन प्वाइन्ट) की गणना

ब्रेक इवन पॉइंट= पूंजीगत व्यय / विक्रय मूल्य – आवर्ती व्यय

= 55400/ 104000 - 114000

=55400/10000

= 05.54 माह = 5.54 x 30 = **166** दिन **(**लगभग **166**दिन**)**

अत : लगभग **166** दिनो में सम विच्छेदन बिन्दू प्राप्त किया जाएगा।

सहमती पत्र

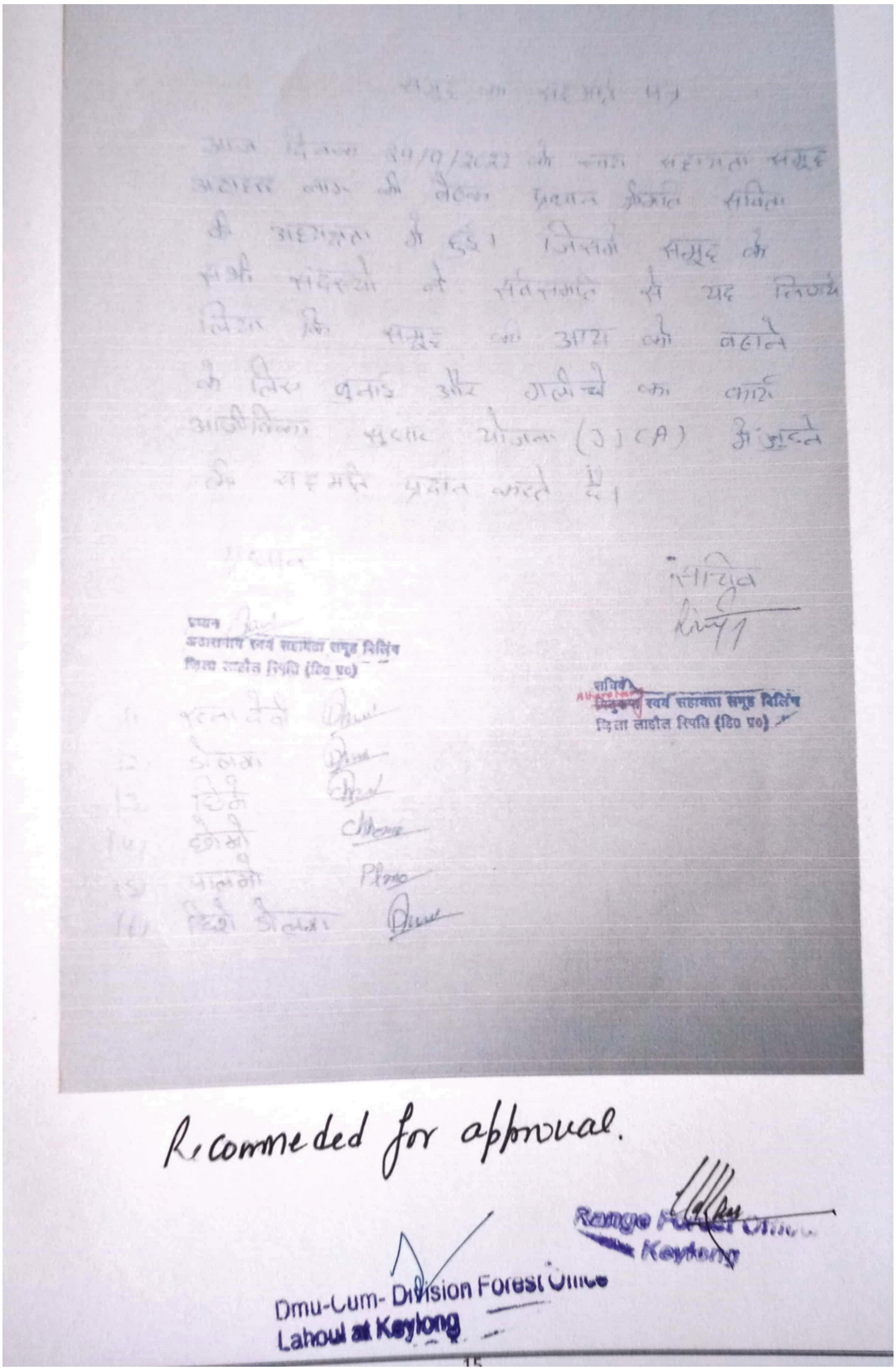

R, commended for approval.

Range Forest Officer
Keylong

Dmu-Cum- Division Forest Officer
Lahoul at Keylong

अठहरनाग स्वंय सहायता समूह के सदस्यों का फोटोग्राफ-

अंगमो	पलजोम	दावा डोलमा	रिनचेन
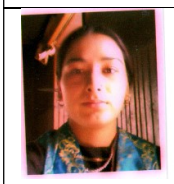			
सविता	देचेन पालमो	छिमे	रतना
सोमन छोमो	छिमे डोलमा	हिशे	